RPSC College lecturer GEOGRAPHY Syllabus 2022

Introduction:-

हमारे द्वारा Rajasthan Public Service Commission (RPSC) College lecturer भर्ती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अगर आप राजस्थान College lecturer परीक्षा की तैयारी कर रहे हो तो पोस्ट आपके लिए अति महत्वपूर्ण है इस आर्टिकल में College lecturer के सिलेबस के बारे में जानकारी दी गई है साथ ही आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार नीचे दी गई लिंक के द्वारा PDF डाउनलोड कर सकते है वे उम्मीदवार जिन्होंने इसका ऑनलाइन आवेदन किया है उनके लिए निवनतम एग्जाम पैटर्न दिया गया है जो आपके लिए तैयारी करने में काम आएगा।

NAME OF SELECTION BOARD	Rajasthan Public Service Commission
POSTS NAME	RPSC College lecturer
OFFICIAL WEBSITE	Rpsc.rajasthan.gov.in/
Category	Latest Syllabus
EXAM DATE	Coming soon

RPSC College lecturer Selection Process

- **Written Examination**
- **Interview**
- **Merit List**

Exam Pattern:-

Serial Number	Subject	Marks	Questions

1	Subject Paper-I	75	150
2	Subject Paper-II	75	150
3	GENERAL STUDIES OF RAJASTHAN	50	100

कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

Subject Paper

Note : Pattern of Question Paper

1. Objective type paper

2. Maximum Marks : 75

3. Number of Questions : 150

4. Duration of Paper : Three Hours

5. All questions carry equal marks .

6. There will be Negative Marking .

General Studies of Rajasthan

Note :- Pattern of Question Paper

1. Objective type paper

2. Maximum Marks : 50

3. Number of Questions : 100

4. Duration of Paper : Two Hours

5. All questions carry equal marks.

6. There will be Negative Marking.

RPSC College lecturer GEOGRAPHY Syllabus 2022 Topic Wise

PAPER-I

यूनिट – I

- भू-आकृति विज्ञान: भू-आकृति विज्ञान और भूमि रूपों की मौलिक अवधारणाएँ:अंतर्जात और बहिर्जात बल; अनाच्छादन प्रक्रियाएं: अपक्षय और अपरदन,भू-सिंकलाइन, पर्वत निर्माण, महाद्वीपीय बहाव और प्लेट विवर्तनिकी; की अवधारणा भू-आकृति चक्र;
- फ़्लूवियल, हिमनद, शुष्क, तटीय और कार्स्ट से जुड़ी भू-आकृतियाँ चक्र; ढलान के रूप और प्रक्रियाएं,
- पर्यावरण और अनुप्रयुक्त भू-आकृति विज्ञान और भू-आकृति संबंधी खतरे।

यूनिट – II

- जलवायु विज्ञान: वातावरण की संरचना और संरचना; सूर्यातप; गर्मी का बजट
- पृथ्वी; तापमान का वितरण; वायुमंडलीय दबाव और सामान्य परिसंचरण
- हवाओं का; मानसून और जेट स्ट्रीम; वातावरण की स्थिरता और अस्थिरता; वायु-जनता; मोर्चों; समशीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय चक्रवात; के प्रकार और वितरण
- वर्षण; विश्व जलवायु का वर्गीकरण: कोपेन और थॉर्नथवेट्स योजनाएं; जल विज्ञान चक्र।

यूनिट – III

- समुद्र विज्ञान: महासागरीय घाटियों की उत्पत्ति; भारतीय, अटलांटिक और प्रशांत की निचली राहत
- महासागर के; महासागर जमा; मूंगे की चट्टानें; महासागरों का तापमान और लवणता; का घनत्व
- समुद्र का पानी; ज्वार और महासागरीय धाराएँ; समुद्र के स्तर में परिवर्तन, समुद्री संसाधन और उनके उपयोग।

यूनिट – IV

- पर्यावरण भूगोल: पौधों के विश्व वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक और जानवर;
- पारिस्थितिकी तंत्र के रूप और कार्य; जंगल, घास का मैदान, समुद्री, रेगिस्तान और पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र-खाद्य श्रृंखला और जैव-विविधता और प्राकृतिक के माध्यम से इसका ह्रास और मानव प्रेरित कारण; पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण और प्रबंधन;
- पर्यावरणीय खतरे और प्रदूषण की समस्याएं; ओजोन रिक्तीकरण, अल-नीनो, वैश्विक वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन- प्रकार, घटक और भूमिका लोग।

यूनिट – V

- भौगोलिक विचार का इतिहास: भौगोलिक ज्ञान का सामान्य चरित्र
  प्राचीन और मध्ययुगीन काल के दौरान- वैदिक, ग्रीक, रोमन . के विशेष संदर्भ में और अरब भूगोलवेत्ता।

- आधुनिक भूगोल की नींव; जर्मन का योगदान,फ्रेंच, ब्रिटिश और अमेरिकी स्कूल; वैचारिक और पद्धतिगत विकास 20वीं सदी के दौरान; बदलते प्रतिमान; मानव-पर्यावरण संबंध:
- नियतिवाद और संभावनावाद, क्षेत्रीय भेदभाव और स्थानिक संगठन;
- मात्रात्मक क्रांति; प्रत्यक्षवाद, मानवतावाद, कट्टरवाद और के प्रभाव
  भूगोल में व्यवहारवाद।

यूनिट – VI

- आर्थिक भूगोल: आर्थिक गतिविधियों का स्थान और का स्थानिक संगठन
  अर्थव्यवस्थाएं; अर्थव्यवस्थाओं का वर्गीकरण; अर्थव्यवस्था के क्षेत्र: प्राथमिक, माध्यमिक,तृतीयक और चतुर्धातुक;
- प्राकृतिक संसाधन: नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय;
- संसाधनों का संरक्षण, प्रमुख क्षेत्रीय व्यापार और आर्थिक एकीकरण खंड।
- विश्व व्यापार और निवेश की गतिशीलता।

यूनिट – VII

- भारत का भूगोल: भौतिक विभाग; जलवायु; वनस्पति; प्रमुख मिट्टी के प्रकार;तटीय और समुद्री संसाधन; जल संसाधन; सिंचाई; कृषि; कृषि जलवायु क्षेत्र;
- खनिज और बिजली संसाधन; प्रमुख उद्योग और औद्योगिक क्षेत्र;
- जनसंख्या वितरण और वृद्धि, जनसंख्या समस्या और नीतियां; जनजाति, आदिवासी क्षेत्र और उनकी समस्याएं।
- निपटान का तरीका; सामाजिक और में क्षेत्रीय असमानताओं आर्थिक विकास।

यूनिट – VIII

- राजस्थान का भूगोल: फिजियोग्राफी; जलवायु; सूखा; मिट्टी और वनस्पति;खनिज और बिजली संसाधन; कृषि और सिंचाई; पशुधन; प्रमुख उद्योगों और औद्योगिक क्षेत्र;
- परिवहन के साधन; जनसंख्या: वृद्धि, वितरण, समस्याएं और समाधान; मरुस्थलीकरण; भौगोलिक क्षेत्र, प्रमुख क्षेत्र विकास कार्यक्रम।

यूनिट – IX

- अनुसंधान पद्धति: अनुसंधान का अर्थ, प्रकार और महत्व, अभिविन्यास
  अनुसंधान, अनुसंधान समस्या, अनुसंधान डिजाइन, नमूना बुनियादी बातों और नमूना डिजाइन।
- स्केलिंग तकनीकों का मापन- गुणात्मक की अवधारणा और मात्रात्मक अनुसंधान।

- डेटा विश्लेषण, अनुसंधान दृष्टिकोण, व्याख्या और रिपोर्ट-लिखना।

यूनिट-X

- कार्टोग्राफी: नक्शों के प्रकार; के स्थानिक पैटर्न के अध्ययन के लिए तकनीक वितरण; एकल उद्देश्य और समग्र मानचित्र; कोरोप्लेथ, आइसोप्लेथ और
- कोरोक्रोमैटिक मानचित्र; आरेख- एक, दो और तीन आयामी; का वर्गीकरण नक्शा अनुमान और उनके विशिष्ट उपयोग।
- मैपिंग में रिमोट सेंसिंग और कंप्यूटर एप्लीकेशन; डिजिटल मैपिंग; ज्योग्राफिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस), विषयगत मानचित्र।

PAPER-II

यूनिट – I

- जनसंख्या भूगोल: प्रकृति, कार्यक्षेत्र, विषय वस्तु और हाल के रुझान; के पैटर्न
- विश्व वितरण, जनसंख्या का विकास और घनत्व; नीतिगत मुद्दे; पैटर्न और प्रवासन की प्रक्रियाएं; जनसांख्यकीय संकर्मण; जनसंख्या-संसाधन क्षेत्र- लिंग
- भारत के विशेष संदर्भ में महिलाओं के साथ भेदभाव और सशक्तिकरण।

यूनिट II

- बंदोबस्त भूगोल: साइट, स्थिति, प्रकार, आकार, रिक्ति और आंतरिक आकारिकी ग्रामीण और शहरी बस्तियों की; शहरी विकास की पारिस्थितिक प्रक्रियाएं;
- विशिष्ट पैटर्न और शहरी केंद्रों का वितरण; शहरी सीमा; शहर-क्षेत्र; निपटान प्रणाली; रहनुमा शहर; रैंक-आकार नियम; निपटान पदानुक्रम; क्रिस्टालर का केंद्रीय स्थान सिद्धांत; अगस्त लॉश का बाजार केंद्रों का सिद्धांत।

यूनिट-III

- क्षेत्रीय योजना: भूगोल में क्षेत्रीय अवधारणा; योजना के लिए इसका आवेदन; योजना क्षेत्र की अवधारणा; क्षेत्रीय पदानुक्रम; क्षेत्रों के प्रकार और तरीके क्षेत्रीय चित्रण; क्षेत्रीय योजना का वैचारिक और सैद्धांतिक ढांचा;

- भारत में क्षेत्रीय योजना; विकास की अवधारणा; विकास के संकेतक; क्षेत्रीय असंतुलन, सैटेलाइट टाउन, स्मार्ट सिटी की अवधारणा।

यूनिट – IV

- कृषि भूगोल: की प्रकृति, कार्यक्षेत्र, महत्व और विकास
  कृषि भूगोल; चयनित कृषि अवधारणाएं और उनके माप;
  फसल पैटर्न, फसल एकाग्रता, फसल की तीव्रता, डिग्री की डिग्री
  व्यावसायीकरण।
- कृषि क्षेत्रों के परिसीमन की अवधारणा और तकनीकें;
  कृषि उत्पादकता और दक्षता का मापन; वॉन थुनेन का मॉडल;
  दुनिया की कृषि प्रणाली।
- हरित क्रांति का प्रभाव।

यूनिट – V

- औद्योगिक भूगोल: औद्योगिक में प्रकृति, कार्यक्षेत्र और हालिया विकास
  भूगोल; विनिर्माण उद्योगों के स्थानीयकरण के तत्व और कारक।
- उद्योगों का वर्गीकरण, औद्योगिक अवस्थिति के सिद्धांत: वेबर, स्मिथ और हूवर; संसाधन आधारित और फुटलूज उद्योग। पर्यावरण में गिरावट का कारण विनिर्माण उद्योगों द्वारा; औद्योगिक खतरे और व्यावसायिक स्वास्थ्य; की भूमिका विनिर्माण क्षेत्रों पर वैश्वीकरण।

यूनिट – VI

- परिवहन का भूगोल: परिवहन नेटवर्क; परिवहन के मॉडल और
  परिवहन लागत; पहुंच और कनेक्टिविटी; प्रवाह के स्थानिक पैटर्न।
- विकास भारत के विशेष संदर्भ में तटीय और अंतर्देशीय जल मार्ग।

यूनिट – VII

- राजनीतिक भूगोल: राजनीतिक भूगोल की परिभाषा और कार्यक्षेत्र; भू-राजनीति;
- वैश्विक रणनीतिक विचार (हार्टलैंड और रिमलैंड सिद्धांत); राष्ट्र, राज्य और की अवधारणा राष्ट्र राज्य; सीमाएँ और सीमाएँ; विश्व संसाधनों की राजनीति; भूगोल और संघवाद; हिंद महासागर का भू-राजनीतिक महत्व।

यूनिट-VIII

- सामाजिक भूगोल: सामाजिक भूगोल की प्रकृति और कार्यक्षेत्र; सामाजिक संरचना और सामाजिक प्रक्रियाएं;
- सामाजिक भूगोल के तत्व: जातीयता, जनजाति, बोली, भाषा, जाति और धर्म; सामाजिक कल्याण की अवधारणा।

यूनिट-IX

- सांस्कृतिक भूगोल: सांस्कृतिक भूगोल की प्रकृति और कार्यक्षेत्र; पर्यावरण और संस्कृति; संस्कृति-क्षेत्रों और सांस्कृतिक क्षेत्रों की अवधारणा; जनजातीय समूहों के सिद्धांत; सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में आवासों पर पर्यावरण का प्रभाव।
- कारण उत्पन्न होने वाली समस्याएं सांस्कृतिक प्रसार के लिए; जातिवाद और आतंकवाद।

यूनिट -X

- सांख्यिकीय विधि: डेटा स्रोत और डेटा का प्रकार; आवृत्ति वितरण का अध्ययन
- केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय; मानचित्रण के लिए वर्ग अंतरालों का चयन; के उपाय
- फैलाव और एकाग्रता; मानक विचलन; लोरेंज वक्र; के तरीके
- विभिन्न विशेषताओं के बीच संबंध को मापना; सरल और एकाधिक सहसंबंध;
- प्रतिगमन- पैरामीट्रिक और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण।
- वितरण के स्थानिक पैटर्न का मापन; निकटतम-पड़ोसी विश्लेषण;
- स्केलिंग तकनीक; रैंक स्कोर; भारित स्कोर्त; भौगोलिक के लिए नमूना तकनीक विश्लेषण।
- भूगोल में मॉडल: सिमुलेशन मॉडल, रैंडम वॉक डिफ्यूजन मॉडल और मार्कोव चेन मॉडल।

RPSC College lecturer Syllabus 2022 Subjects Wise

General Studies of Rajasthan Paper Syllabus
Zoology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sociology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Public Administration Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Psychology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Political Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Physics Paper-1 & Paper-2 Syllabus

Philosophy Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Vocal) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Instrumental) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Mathematics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Library Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Law Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Accountancy And Business Statistics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geography Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Chemistry Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Botany Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Dyeing And printing Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economic Adminstration & Financial Management (E.A.F.M.) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
English Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Persian Paper-1 & Paper-2 Syllabus
History Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Computer Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Drawing & Painting Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Hindi Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sanskrit Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sindhi Paper-1 & Paper-2 Syllabus

IMPORTANT LINKS
RPSC College lecturer Syllabus PDF
Official Website

इस नोटिफिकेशन से सबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न:-

1. *RPSC College lecturer कितने अंको का होता है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -50

Paper-1 & Paper-2 -150

2. *RPSC College lecturer पेपर में कितने प्रश्न आते है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -100

Paper-1 & Paper-2 -300

3. *RPSC College lecturer पेपर में कितना समय मिलता है?*

उत्तर: General Studies of Rajasthan -2 hours

4. *RPSC College lecturer Syllabus in hindi. ?*

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

शिक्षा जगत की लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए हमारे टेलीग्राम चैनल को सब्सक्राइब करें

Telegram Channel Link

https://t.me/helpstudentpoint

Visit Our Website

www.HelpStudentPoint.com

Download Our Mobile App

https://bit.ly/appshsp